18/11/19 पत्रावली आज दिनांक को पेश हुयी। वाद का आपसी राजीनामा हो गया है। और वादी का वाद खारिज हो चुका है। अब इस प्रार्थना पत्र को चलने का कोई औचित्य नहीं रहा है। प्रार्थना पत्र नम्बर से कम हो और मूल वाद के साथ संलग्न रहे।

मु०खा०